बहुविकल्पी प्रश्न

1. मेघ आए काव्य के संदर्भ में धूल घाघरा उठाकर क्यों भागी?

(अ) डर के कारण भाग गई (ब) मेघ के आने पर औधी भी आ गई

(स) वर्षा शुरू हो गई थी (द) पीछे से मेघ आ रहा था

2. मेघ आए कविता में किस अलंकार का सर्वाधिक प्रयोग हुआ है?

(अ) उत्पेक्षा (ब) उपमा

(स) रूपक (द) मानवीकरण

3. गाँव में बादलों का स्वागत किसके द्वारा किया गया? 'मेघ आए' कविता के आधार पर बताइए।

(अ) पेड़ रूपी पुरुष ने (ब) धूल रूपी बच्ची ने

(स) नदी रूपी स्त्री ने (द) पीपल रूपी बुजुर्ग ने

4. मेघ आए काव्य के संदर्भ में गली-गली में खिड़कियाँ दरवाजे क्यों खुलने लगे?

(अ) ठंडी हवा के लिए (ब) सभी

(स) रास्ते में आते-जाते लोगों को देखने के लिए (द) बादल को देखने के लिए

5. 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' पंक्ति में किस भाषा का प्रयोग है?

(अ) साहित्यिक भाषा (ब) ब्रज भाषा का

(स) अवधी भाषा (द) उर्दू भाषा

6. भरन की गाँठ खुलने पर क्या होता है?

(अ) कुछ नहीं होता है (ब) मन-मिटाव दूर होता है

(स) भेदभाव दूर होते है (द) मिलन के अश्रु बहते हैं

7. निम्नलिखित में से कौन-सी रचना सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की नहीं है?

(अ) काठ की घंटियाँ (ब) खूँटियों पर टँगे लोग

(स) गर्म हवाएँ (द) बंद गली का आखिरी मकान

8. बरस बाद सुधि लीन्हीं' पंक्ति में किसकी सुधि लेने की बात कही जा रही है?

(अ) नदी रूपी विवाहिता की (ब) धूल रूपी बच्ची की

(स) लता रूपी नवविवाहिता की (द) पेड़ रूपी पुरुष की

9. बरस बाद सुधि लीन्हीं कहकर किसने मेघ को उलाहना दिया?

(अ) नदी रूपी ग्रामीण युवती ने (ब) हवा रूपी ग्रामीण स्त्रियों ने

(स) लता रूपी मेघ की प्रियतमा ने (द) मेघ के ताल रूपी रिश्तेदार ने

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

10. ताल मेघ के आने पर परात में पानी भरकर क्यों लाया था?

(अ) मेघ रूपी मेहमान के पैर धोने के लिए
(ब) मेघ रूपी मेहमान के जलपान के लिए
(स) अपनी नाराजगी व्यक्त करने के लिए
(द) मेघ रूपी मेहमान के स्नान के लिए

रिक्त स्थान :

11. मेघ के आते ही चारों ओर _____ संगीत-ध्वनि होने लगी है।

12. मेघ आए काव्य के संदर्भ में बिजली की तुलना _____ की गई है।

सत्य / असत्य

13. 'पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के' पंक्ति में उपमा अलंकार है।

14. मेघ आए कविता में बादलों को नवयुवती की उपमा दी गई है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. मेघों के लिए बन-ठन के, सँवर के आने की बात क्यों कही गई है?

16. क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. प्राकृतिक रूप से किस श्रम की गाँठ खुलने की बात कही गई है? मेघ आए कविता के आधार पर लिखिए।

18. लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

निबंधात्मक प्रश्न

19. मेघ आए कविता में कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है? पता लगाइए।

20. मेघ आए कविता में कवि ने आकाश में बादल और गाँव में मेहमान (दामाद) के आने का जो रोचक वर्णन किया है, उसे लिखिए।

HOTS

21. मेघ के आने की तुलना पाहून से क्यों की गई हैं?

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (अ) मेघ के आने पर औधी भी आ गई।
2. (द) मानवीकरण
3. (द) गाँव का सबसे बुजुर्ग व्यक्ति होने के कारण बूढ़े पीपल ने मेघों का स्वागत किया।
4. (द) बादल को देखने के लिए।
5. (ब) 'मेघ आए' कविता खड़ी बोली में लिखी हुई है परन्तु केवल उक्त पंक्ति ही ब्रजभाषा का अनूठा प्रयोग है।
6. (द) मिलन के अश्रु बहते हैं।
7. (द) बंद गली का आखिरी मकान।
8. (स) इस पंक्ति में लता रूपी नवविवाहिता की सुध लेने की बात कही जा रही है। कवि ने ऐसा माना है कि बादल रूपी दामाद शहर से अब अपनी नवविवाहिता लता को लेने आए हैं।
9. (स) लता रूपी मेघ की प्रियतमा ने।
10. (अ) मेघ रूपी मेहमान के पैर धोने के लिए।
11. **रिक्त स्थान :** जल-बरसने की
12. **रिक्त स्थान :** नायिका से
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. बादल काले-काले घुँघराले होते हैं। इनकी सुंदरता देखते ही बनती है। बादलों के बीच कभी सतरंगी इंद्रधनुष दिखता है, जिससे बादलों का सौंदर्य बढ़ जाता है। बादलों के आगमन की सूचना देती या आगवानी करती हवा आई। बादल गाँव में सजे-धजे मेहमान के रूप में आए।
16. **भाव-** लता रूपी नायिका मेघ रूपी मेहमान से क्षमा माँगते हुए कहने लगी-मुझे माफ करना क्योंकि एक साल तक तुम्हारे न आने को मेरे मन में भ्रम बन गया था।
    अन्य भाव- वर्षा होने से व्याकुल ग्रामवासियों के मन का यह भ्रम मिट गया कि इस साल मेघ नहीं बरसेंगे।
17. ग्रामीण संस्कृति में बादलों का बहुत महत्त्व है। वहाँ कृषि-कार्य बादलों पर निर्भर करता है, इसलिए बादलों की प्रतीक्षा की जाती है। इस बार जब साल बीत जाने पर भी बादल नहीं आए तो लोगों के मन में यह भ्रम हो गया था कि इस साल अब बादल नहीं आएँगे। पर बादलों के आ जाने से उनके इस भ्रम की गाँठ खुल गई।
18. लता ने बादल रूपी मेहमान को व्याकुल नवविवाहिता की भाँति देखा। उसके इस तरह देखने का कारण था कि बादल रूपी मेहमान पूरे एक साल बाद आयी थी। वह गर्मी (विरह वेदना) से व्याकुल थी साथ ही मानिनी भी थी इसलिए उससे अपनी नराज़गी प्रकट कर रही थी।
19. कवि द्वारा गांव के बुजुर्ग की तुलना पीपल के वृक्ष से की गयी है। ऐसा पीपल के अस्तित्व का किसी बड़े-बुजुर्ग के व्यक्तित्व से मेल खाने पर कहा गया है। पीपल के वृक्ष की आयु अन्य वृक्षों से अधिक होती है। हमें पीपल की दीर्घायु और मानव जीवन के प्रति इसके स्वास्थ्यकर होने के बारे में पता है। हम जानते हैं कि पीपल के पत्ते आदि का उपयोग एंटीबायोटिक दवाओं को बनाने में किया जाता है। पत्तियों का प्रयोग विभिन्न प्रकार के कीटाणुओं से हमारे शरीर को हुए संक्रमण को दूर करने में भी किया जाता है क्योंकि इनमें कीटाणु नाशक शक्ति होती है। ठीक उसी प्रकार गांव का कोई बुजुर्ग भी ग्रामीणों के विचार को संक्रमित होने से बचाता है। नशे आदि का शिकार होकर अपने पथ से भटक गये युवाओं को बुजुर्ग व्यक्ति अपने विचारों से पीपल की ही भांति शुद्ध करते हैं। इन्हीं सब कारणों के कारण पीपल के वृक्ष की तुलना गाँव के बुजुर्ग से की गयी है।
20. गाँव में मेघ रूपी शहरी मेहमान आने से गाँव में उल्लास-सा छा गया। बादलों के आने की सूचना देती शीतल बयार चलने लगी। आँधी के आने से गलियों में धूल उड़ने लगी, मानो कोई लड़की घाघरा उठाए भाग रही है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें।
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

पेड़ तेज हवा में झूमने लगे। बूढ़े पेड़ की डालियाँ झुकने लगीं जैसे मेघ रूपी मेहमान का स्वागत कर रही है। लताएँ पेड़ों की ओट में छिपने लगी मानो लता रूपी नवविवाहिता दरवाजे की ओर छिपकर मेहमान को देख रही हो। घर का कोई सदस्य (तालाब) थाल में पानी भर लाया। बिजली चमकने लगी तथा पूरा गाँव खुशी में डूब गया।

21. गर्मी के महीने में लोग गर्मी के प्रभाव से व्याकुल हो उठते हैं। वे गर्मी से छुटकारा पाने के लिए वर्षा का इंतजार करते हैं। किसान भी फसल की बुवाई के लिए वर्षा लाने वाले बादलों का इंतजार करते हैं। इसी प्रकार पाहुन (दामाद) का इंतजार भी उसकी सुसराल में किया जाता है। दोनों की ही बैचेनी से प्रतीक्षा की जाती है इसलिए मेघ की तुलना पाहून से की गई है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App